फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 231 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 22 मार्च, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

**The fragrance of Nihal**

Comfortable in both rural or urban or *jungle* setting, documentary-maker Nihal was aptly suitable to be associated with *Granada* television production like *The Jewel in the Crown* and others, as a sort of Indian 'producer' and expert.

**Brain Stimulation Therapies**

# कांग्रेस ने देर रात फैसला लेकर सीकर की सीट मार्क्सवादी पार्टी के लिए छोड़ी

## साथ ही पार्टी ने दौसा के लिये अभी उम्मीदवार घोषित नहीं करने का निर्णय भी लिया और भाजपा के उम्मीदवार का नाम आने का इन्तजार करने का फैसला किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। गुरुवार को घोषित कांग्रेस की अधिकृत लिस्ट में पार्टी ने सीकर सीट माकपा के लिए छोड़ दी है।

पार्टी द्वारा घोषित अन्य प्रत्याशी है, श्रीगंगानगर से कुलदीप इंदौरा, जयपुर शहर से सुनील शर्मा, पाली से संगीता बेनीवाल, बाड़मेर से उम्मेदाराम बेनीवाल, झालावाड़ से उर्मिला जैन भाया को टिकट दिया गया है।

पार्टी ने दौसा सीट का प्रत्याशी घोषित नहीं किया जिसे मंजूरी तो कल ही मिल गई थी। पार्टी भाजपा के प्रत्याशी की घोषणा की प्रतीक्षा कर रही है।

नागौर में हनुमान बेनीवाल के साथ गठबंधन को लेकर अशोक गहलोत तथा राजस्थान में कांग्रेस के जाट नेताओं के बीच तलवारें खिंच गई हैं।

जैसी कि कहावत है, "अशोक गहलोत ने सारे घोड़े खोल दिए हैं" बेनीवाल को पुनर्जीवित करने के लिए। ये वो नेता हैं जो केवल 2500 वोटों से जीते थे।

- पर, अशोक गहलोत व राजस्थान के अन्य जाट नेताओं के बीच भारी घमासान जारी है, नागौर में हनुमान बेनीवाल से गठबंधन के बारे में।
- गहलोत ने सभी घोड़े खोल दिये हैं, बेनिवाल को नागौर की सीट पर खड़ा करने के लिये। मुकुल वासनिक व मल्लिकार्जुन खड़गे, गहलोत की इस मुहिम में सहयोग कर रहे हैं।
- गहलोत ने नीरज डांगी को खड़गे से इस मुद्दे पर मिलने के लिये भेजा। दूसरी ओर हरीश चौधरी भी वेणुगोपाल से मिले, अपना पक्ष रखने के लिये और अब मामला राहुल गांधी के समक्ष पहुँच गया है और उन्हें निर्णय लेना है।
- अन्ततोगत्वा यह भी चर्चा है कि, हनुमान बेनीवाल भी दिल्ली में ही है और वासनिक से मिले हैं। हालांकि, अभी इस मुलाकात की पुष्टि नहीं हो रही।

अशोक गहलोत, मुकुल वासनिक और मल्लिकार्जुन खड़गे बेनीवाल को लाने के लिए प्रयासरत हैं। गहलोत ने नीरज डांगी को खड़गे से मिलने के लिए भेजा। इसी के साथ, हरीश चौधरी भी के.सी. वेणुगोपाल से मिले। इस समय यह कहना मुश्किल है कि, वेणुगोपाल किसकी तरफ हैं।

लेकिन, रोचक बात यह है कि, यह मुद्दा राहुल गाँधी के दरबार में पहुँच गया है और माना जा रहा है कि इस मामले में वो अंतिम निर्णय लेंगे।

इस समय गहलोत के जीवन के दो ही लक्ष्य हैं : जालौर-सिरोही से वैभव गहलोत और नागौर से हनुमान बेनीवाल।

हनुमान बेनीवाल इस समय दिल्ली में हैं और विभिन्न नेताओं के चक्कर लगा रहे हैं। चर्चा है कि, बेनीवाल मुकुल वासनिक से मिले लेकिन इस मीटिंग की पुष्टि नहीं हुई है। मुकुल वासनिक फोन कॉल्स के जवाब नहीं दे रहे हैं।

गहलोत और वासनिक एक दूसरे के बहुत करीब माने जाते हैं। वासनिक 9 साल तक ए.आई.सी.सी. महासचिव रहे और अधिकांश मुद्दों पर उन्होंने गहलोत का समर्थन किया था।

गहलोत विरोधी खेमा बेनीवाल के साथ चुनावी गठबंधन का पुरजोर विरोध कर रहा है, लेकिन इसके बावजूद गहलोत ने इस मुद्दे को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'नए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर रोक नहीं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। उच्चतम न्यायालय ने गुरूवार को दो नये चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर रोक लगाने की मांग कर रहे आवेदनों को निरस्त कर दिया, यह कहते हुए कि, इससे अनिश्चितता और अराजकता का माहौल बन जाएगा क्योंकि चुनाव बहुत नज़दीक हैं।

यह मानते हुए कि, चुनाव आयोग, कार्य पालिका के अधीन नहीं है, शीर्ष अदालत ने मुख्य चुनाव आयुत्त और दूसरे चुनाव आयुत्तों (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) कानून 2023 के अमल पर अंतरिम रोक लगाने से इंकार कर दिया।

- सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में दायर याचिका खारिज करते हुए कहा, नए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर रोक लगाने से अव्यवस्था फैलेगी, क्योंकि चुनाव सन्निकट हैं।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि,वह 2023 कानून को चुनौती देने वाली मुख्य याचिकाओं का परीक्षण करेगा तथा केंद्र को छ सप्ताह के अन्दर अपना जवाब दाखिल करने को कहा और इस मुद्दे की सूनवाई की तारीख, 5 अगस्त तय कर दी।

इस समय हम इस कानून पर रोक नहीं लगा सकते और नही इसके अमल

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# भाजपा ने मुख्यमंत्री भजनलाल को लोकसभा चुनाव में फ्री हैंड दिया

## यह फ्री हैंड मुख्यमंत्री की कार्यशैली में स्पष्ट नज़र आ रहा है

- यह देखा गया है कि, मुख्यमंत्री का ध्यान प्रत्याशी से ज्यादा कार्यकर्ता पर रहता है और कार्यकर्ताओं से खुली चर्चा पर जोर देते हैं।
- क्लस्टर बैठकों में भी मुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष के बीच समन्वय साफ देखा जा रहा है तथा नेताओं व कार्यकर्ताओं के बीच के मनमुटाव व मतभेद दूर करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

जयपुर, 21 मार्च (का.सं.)। लग रहा है कि, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लोकसभा चुनावों में फ्री हैंड दिया गया है। भजनलाल शर्मा इन दिनों भाजपा कार्यकर्ताओं की क्लस्टर क्लास ले रहे हैं। पार्टी के लिए प्रदेश की सभी 25 सीटें सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री लोकसभावार सीधे कार्यकर्ताओं से संपर्क कर रहे हैं। पिछले तीन दिनों में मुख्यमंत्री 22 लोकसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर चुके हैं। प्रदेश की राजनीति में यह एक अनूठा नवाचार नज़र आ रहा है। विगत वर्षों में प्रमुख नेता अपने चहेतों को टिकट दिलवाने के लिए दिल्ली में धरना दे कर रखते थे। वहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का ध्यान प्रत्याशी से अधिक कार्यकर्ता पर है। स्वागत समारोह और शक्ति प्रदर्शनों की परंपरागत राजनीति से अलग, मुख्यमंत्री के दौरे बंद कक्ष बैठकों और खुली चर्चाओं में पार्टी की रणनीति को समर्पित रहे।

कार्यकर्ता बैठकों में मुख्यमंत्री के साथ पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी की उपस्थिति सत्ता और संगठन में बेहतर समन्वय की परिचायक भी है। वर्षों तक प्रदेश महासचिव की भूमिका में भजनलाल शर्मा की पहचान एक कर्मठ कार्यकर्ता की रही है और सभी क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं से उनका जुड़ाव रहा है। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी वे उसी आत्मभाव से कार्यकर्ताओं से मिलते हैं। जब वे कार्यकर्ता को आश्वस्त करते हैं कि, भाजपा परिवार को नहीं कार्य को प्राथमिकता देती है, तो कार्यकर्ता भी सहजता से इस बात पर विश्वास करता है। पूर्ववर्ती सरकार में जहां मुख्यमंत्री की पसंद नापसंद, पार्टी प्रत्याशी चयन से लेकर चुनाव प्रचार में साफ दिखाई देती थी, वहीं, वर्तमान मुख्यमंत्री समान भाव से सभी लोकसभा क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं को पार्टी के स्थानीय प्रत्याशी के समर्थन के लिए निर्देशित कर रहे हैं। उनका उद्देश्य, पार्टी प्रत्याशी की जीत के साथ ही हर क्षेत्र और वर्ग से पार्टी को मिलने वाले वोट को भी बढ़ाना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सतत तीसरे कार्यकाल के लिए अग्रसर भाजपा को पूर्ण विश्वास हैं कि, लोकसभा चुनाव में जनता निर्णायक बहुमत के साथ नए भारत के विकास को और गति प्रदान करेगी। शपथग्रहण के बाद से ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार प्रशासनिक दौरे और बैठकें कर प्रदेश में केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वन को गति देने में व्यस्त रहे हैं। निजी प्रचार से पृथक, उनका सारा प्रयास केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रसार पर

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )